नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305
इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सेवाग्राम, पवनार की धरती देती है ऊर्जा – प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

वर्धा, 30 अगस्त 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भारत छोड़ो आंदोलन की 75 वीं वर्षगांठ तथा भारतीय स्वतंत्रता की 70 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पिछले 9 अगस्त से जारी विभिन्न कार्यक्रमों का समापन बुधवार, 30 अगस्त को विश्वविद्यालय के गालिब

सभागार में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में 21 दिनों तक लगातार भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ और स्वतंत्रता आंदोलन की 70 वीं वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रमों एवं उपक्रमों का आयोजन हुआ जो विद्यार्थियों के लिए ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ रोमांच भरे भी रहे। गांधी और विनोबा की यह धरती हम सभी में रोमांच पैदा करने वाली है। सेवाग्राम और पवनार की खुशबू इस मिट्टी में समायी हुई है और इसीसे हमें निरंतर ऊर्जा मिलती रहती है। एक तरफ आष्टी के लोगों का बलिदान और दूसरी तरफ महात्मा गांधी की यह कर्मभूमि हमारी प्रेरणा के मुख्य स्रोत हैं। उन्होंने

विद्यार्थियों को आष्टी और सेवाग्राम ले जाकर वहां की महत्ता को बताने के प्रयास की सराहना

की। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. के. के. सिंह, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. शंभू जोशी,

राजेश लेहकपुरे, डॉ. अप्रमेय मिश्र एवं डॉ. सुरभि विप्लव मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर ऋषभ मिश्र ने किया तथा प्रास्ताविक एवं धन्यवाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया।

प्रारंभ में छात्रा विजया, पूजा और हेमा ने वैष्णव जन तो... गीत तथा ममता ने लोक गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. के. के. सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विष्णुकुमार तथा गौरव चौहान ने अपनी प्रस्तुतियां दी। समारोह में प्रो. अवधेश कुमार, प्रो. अखिलेश कुमार दुबे, डॉ.रामानुज अस्थाना, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अविचल गौतम, डॉ. सुरभि विप्लव, डॉ. धर्मेंद्र शंभरकर, डॉ. लेखराम दन्नाना सहित विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।